महत्वपूर्ण एवं खास

दुर्ग-छपरा स्पेशल एक्सप्रेस में 2 स्लीपर कोच की सुविधा

रायपुर (आरएनएस)। रेल यात्रियों को अधिक से अधिक बर्थ की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज 11 मई 2021 को दुर्ग से छपरा के मध्य चलने वाली 05160 दुर्ग-छपरा स्पेशल एक्सप्रेस में 02 अस्थायी शयनयान कोच की सुविधा दी जा रही है ।

तालाब में तैरती मिली युवक की लाश, सिर पर चोट के निशान

रायपुर (आरएनएस)। शहर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र स्थित गोगांव केरला तालाब में युवक की लाश मिली है।बता दें कि मौके पर पहुँची पुलिस व एफ़एसएल की टीम ने मृतक के सिर में चोट के निशान पाए हैं सूत्रों की माने तो हत्याकर तालाब में युवक की लाश फेकने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान हरीश साहू निवासी गोगांव गुढ़ियारी के रूप में हुई है।

ओटीपी नंबर पुछकर लाखों की ठगी,धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। झांसा देकर अज्ञात मोबाईल फोन धारक ने किशोर से ओटीपी नंबर पुछ खाते से निकाल लिया 1 लाख 59000 रुपये। मामले की रिपोर्ट मंदिर हसौद थाने में दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पलौद मंदिर हसौद रायपुर निवासी सत्यनारायण प्रजापति 36 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 30 अप्रैल को दोपहर मोबाईल नंबर 9339237704 से प्रार्थी के मोबाईल पर किसी ने अज्ञात व्यक्ति ने कॉल आया जिसे उसका लड़का 13 वर्ष ने रिसीव किया था। कॉल करने वाले ने जानकारी दी की आपके खाते से 20 हजार रुपये कट गया है जिसे वापस खाते में भेजना है कहकर एक नंबर भेज बताने को कहा। जिसके बाद पीड़ित के बेटे ने ओटीपी नंबर बता दिया। इसके बाद उसके खाते से 11 बार में करीब 1 लाख 59 हजार रुपये निकल गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाईल नंबर धारक के खिलाफ धारा 420 के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

विस्फोटक सामग्री के साथ 1 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा (आरएनएस)। जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र के ग्राम रावगुड़ा जंगल के निकट 01 नक्सली सोढ़ी देवा को विस्फोटक के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली के पास से 03 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 02 मीटर कॉर्डेक्स वायर, 07 मीटर बिजली वायर, 03 नग पेंसिल, 02 नग जिलेटिन रॉड सहित कुछ दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चिंतलनार थाना क्षेत्र से जिला पुलिस बल एवं 201 कोबरा बटालियन संयुक्त सर्चिंग अभियान पर निकली थी, इस दौरान टीम जब रावगुड़ा जंगल के पास पहुंची तब एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख छिपने का प्रयास कर रहा था जिसे घेरा बंदी कर गिरफ्तार किया गया, और तलाशी के दौरान एक थैला से विस्फोट सामान बरामद हुआ। जिसके बाद उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम सोढ़ी देवा बताया है। जिसे चिंतलनार थाना में कार्यवाही के बाद आज न्यायिक रिमांड में भेजा जायेगा।

7 लाख के इनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर (आरएनएस)। जिले के किसकोडो एरिया कमेटी के दो इनामी दम्पति (पति-पत्नी) सम्मी उर्फ सन्नी ईरपा एवं जयसिंह उर्फ दरबारी कोमरा ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कांकेर के समक्ष हथियार के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों कई अपराधिक मामलों में संलिप्त थे। जयसिंह उर्फ दरबारी कोमरा पर 05 लाख और सम्मी उर्फ सन्नी ईरपा पर 02 लाख का इनाम घोषित था। जिले में नक्सलियों के विरूद्ध चलाए जा रहे नक्सल उन्मुलन अभियान एवं शासन की पुर्नवास योजना से प्रभावित होकर ईनामी नक्सली दम्पति ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

पिछले तीन-चार दिनों से रुक-रुक कर हो रही बेमौसम बारिश व अंधड़ ने बढ़ाई किसानों की परेशानी, फसलों को पहुंचा भारी नुकसान

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में एक ओर जहां कोरोना संक्रमण कहर बरपा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से बेमौसम रूक-रूक कर हो रही बारिश व अंधड़ से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जो किसानों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है।

प्रदेश में पिछले तीन-चार दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। जमीन पर गिरी धान फसल, व कटाई के बाद रखी धान की बालियां, खलिहानों पर रखा धान भी भीग गया है। लगातार बारिश होने से धान के पौधों व धान

में अंकुरण आना शुरू हो गया है, इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। राज्य के रायपुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, महासमुंद, बस्तर, अम्बिकापुर सहित 21 से अधिक जिलो में बेमौसम बारिश कहर बनकर बरस रहा है। मौसम विभाग ने अभी प्रदेश में कुछ दिन ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है, जिसके चलते जहां अब तक बेमौसम बारिश ने कहर नहीं बरसाया है उन स्थानों के किसानों की चिंता बढ़ी हुई है।

फसलों के नुकसान से और बढ़ेगी महंगाई :

गर्मी के दिनों में बेमौसम बारिश से सिर्फ फसलों को नुकसान पहुंचने से किसानों को परेशानी नहीं बढ़ेगी बल्कि इसका असर लोगों के बजट पर भी पड़ेगा। क्योंकि फसलों को नुकसान होने से महंगाई भी बढ़ेगी क्योंकि बाजार के मंडियों में अगर आवक कम होगी तो उन सभी चीजों का मूल्य भी बढ़ेगा जिसकी फसल बेमौसम बारिश से बर्बाद हुई है।

यहीं नहीं खराब मौसम का विपरीत असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। कई लोग सर्दी, खांसी, बुखार जैसे मौसमी बीमारियों की चपेट में आने लगे है। ऐसे में कोरोना संक्रमण का खतरा फिर मंडराने लगा है।

मुख्यमंत्री ने बेमौसम बारिश से हुई क्षति तत्काल सहायता उपलब्ध कराने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में हुई बेमौसम बारिश से फसल सहित अन्य हानि का आंकलन करने और प्रभावितों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से कहा है कि बारिश और आंधी-तूफान की वजह से फसल सहित अन्य जन-धन के नुकसान के सर्वे के लिये तत्काल टीम का गठन कर आंकलन करें और पीड़ितों को तत्काल राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत आवश्यक आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।

8 से 10 नक्सलियों की मौत फूड पॉयजनिंग और कोरोना से हुई है - डॉ. अभिषेक पल्लव

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने दावा किया है कि दो से तीन दिन के अंदर 08 से 10 नक्सलियों की मौत फूड पॉयजनिंग और कोरोना संक्रमण से हुई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि करीब 15 दिन पहले बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर गंगालूर क्षेत्र में नक्सलियों की बड़ी बैठक की जानकारी मिली थी, इस मीटिंग में 400-500 नक्सली शामिल हुए थे। इसके बाद नक्सलियों में फूड पॉयजनिंग और कोरोना संक्रमण की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि सूत्रों से पता चला है कि गांव वालों ने 08 से 10 नक्सलियों का शव जलते देखा है।

दंतेवाड़ा एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने कहा कि नक्सली लगातार गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से मीटिंग कर रहे हैं, इससे ग्रामीणों में कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा है। नक्सलियों ने सड़क काट दी है, ऐसे में गांव वालों की मदद करना मुश्किल होगा। एसपी ने नक्सलियों से अपील की है कि वे आत्मसमर्पण करें, पुलिस प्रशासन की मदद से उन्हें इलाज मुहैया कराया जाएगा। इससे नक्सलियों की जान भी बचेगी, और ग्रामीण भी महामारी के खतरे से निकल पाएंगे। एसपी ने कहा कि नक्सलियों ने फिलहाल प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं की है। जिस तरह से उन्होंने चुप्पी साध रखी है, इससे यह स्पष्ट है कि बड़ी संख्या में नक्सली कोरोना से पीड़ित हैं और स्थिति गंभीर है। एसपी का कहना है कि मरने वाले नक्सलियों के नामों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। जिन नक्सलियों की मौत हुई है वे दक्षिण बस्तर इलाके के हैं। उनके नामों के बारे में पता किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना अब ढलान पर, संक्रमण की रफ्तार धीमी हुई

» आक्सीजन और अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता बढ़ी

» हर वर्ग का टीकाकरण अब तेज रफ्तार से

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर अब ढलान पर है। राज्य में संक्रमण की दर में कमी आयी है साथ ही कोविड से मृत्यु की संख्या भी कम हुई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और निर्देशन पर राज्य के अस्पतालों में आक्सीजन और बिस्तरों की उपलब्धता भी बढ़ी है

साथ ही प्रदेश में अब हर वर्ग का टीकाकरण भी तेजी से जारी है।

पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में कमी- कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में प्रदेश में पॉजिटिव प्रकरणों में कमी देखी जा सकती है। जहां 24 अप्रैल को राज्य में करीब 17 हजार धनात्मक प्रकरण थे वहीं 26 अप्रैल को 15 हजार 84 तथा 29 अप्रैल को 15 हजार 804, 4 मई को 15 हजार 785 वो अब धीरे-धीरे घटकर 8 मई को 12 हजार 239, 9 मई को 9 हजार 120 तथा 10 मई को 11 हजार 867 रही।

दैनिक पॉजिटिविटी दर 31 से घटकर पहुंची 18 के करीब- प्रदेश में कोविड-19 दैनिक धनात्मकता दर में भी काफी कमी आयी है। 23 अप्रैल को जहां यह 31.4 थी वह क्रमशः घटते हुए 26 अप्रैल को 27.8, 30 अप्रैल को 25.2, 3 मई को 26.1, 6 मई को 22.6, 8 मई को 19.8, 9 मई को 18.7 और 10 मई को 18.3 पहुंच गई है।

दैनिक मृत्यु की संख्या में भी कमी- कोविड-19 के तहत होने वाली दैनिक मृत्यु की संख्या में भी कमी देखी जा सकती है। 5 मई को जहां 253 मृत्यु दर्ज हुई थी वह 7 मई को 208, 9 मई को 198 और 10 मई को 172 दर्ज हुई है।

डेडिकेटेड कोविड अस्पताल एवं कोविड केयर सेंटर में 31 हजार 295 बिस्तरों की व्यवस्था: वर्तमान में 11,719 सामान्य, 6,284 आक्सीजन बेड, 684 एचडीयू, 783 आईसीयू और 297 वेंटिलेटर बेड है रिक्त।

माना कोविड अस्पताल के सामने मृत मिली महिला मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। माना इलाके के कोविड अस्पताल के पास स्कूल के बाहर 4 मई को मिली महिला की लाश मामले में पुलिस ने सोमवार की शाम दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतिका के परिजनों के सामने आने के बाद इस पूरे मामले में नया खुलासा हुआ। पता चला है कि महिला पेशे से कॉल गर्ल थी। 3 मई को वो जिन दो लोगों के साथ थी, वे ही उसे माना के स्कूल के बाहर छोड़कर भाग गए थे। इनमें एक पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डीडी नगर निवासी सुमित लिमटे और दूसरा महिला के लिए ग्राहक तलाशने वाला एजेंट उपेन्द्र यादव है।

महिला की लाश मिलने के बाद पुलिस को जांच के दौरान सुमित लिमटे के बारे में पता चला। ये भी पता चला कि विनय चढ़ार और उपेंद्र यादव नाम के लड़कियों के दलाल के जरिए सुमित लड़की से मिला था। इसके बाद पुलिस ने सुमित भिन्टे को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ में सुमित ने बताया कि 3 मई की रात महिला को उपेंद्र ने मेरे पास भेजा। मैंने महिला के साथ पार्टी की। इस दौरान उसने खूब शराब पी। अधिक शराब पीने की वजह से वो बेहोश हो गयी मगर उसकी सांसें चल रही थीं। इसके बाद सुमित लिमटे ने विनय और उपेन्द्र यादव फोन किया।

महिला की लाश पड़ी देख माना के कुछ लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। फोन करने के बाद उपेंद्र सुमित के पास पहुंचा। फिर दोनों कार में महिला को लेकर निकल गए। इनकी कार माना कोविड अस्पताल के बाहर रुकी। आरोपियों ने सोचा कि कोविड अस्पताल में युवती को भर्ती करवाकर पीछा छुड़ा लेंगे। मगर डर की वजह से उन्होंने अस्पताल से आगे कुछ दूरी पर स्थित स्कूल के बाहर महिला को लिटा दिया और वहां से भाग निकले। सुबह स्थानीय लोगों ने महिला की लाश देखी जिसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

पुलिस की जांच में 6 दिन बाद महिला की पहचान हो सकी। महिला के घर वाले खुद पुलिस के पास पहुंचे। दरअसल जांच टीम महिला की तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल कर रही थी। इसी दौरान मृतका का भाई पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि वो गज्जीटोला थाना खड़गांव जिला राजनांदगांव की रहने वाली थी। 9 साल पहले उसने कुरूद निवासी चन्द्रेश भारती के साथ लव मैरिज की थी। मृतिका के घर वालों ने उसकी पहचान की जिसके बाद पता चला कि उसकी एक 7 साल की बेटी भी है। 2 साल पहले पति की मौत हो गई, इस वजह से वो बेटी के साथ रायपुर चंगोराभाठा में किराए का मकान लेकर रह रही थी। झाड़ू पोंछा का काम करती थी। इसी दौरान उसकी पहचान खमतराई के रहने वाले विनय से हुई। ये लड़कियों के साथ मिलकर जिस्मफरोशी का धंधा करता है। मामले का आरोपी उपेंद्र, विनय का साथी है। इन दोनों ने युवती को अपने इस काम में शामिल कर लिया।

हत्या के बाद शव को बोरे में डालकर तालाब में फेंका, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के गोगांव स्थित केरला तालाब में मिले एक युवक का शव घटना का खुलासा कुछ घंटो के बाद ही पुलिस ने कर दिया। मृतक की पहले हत्या की गई थी फिर बोरे में भरकर उसे तालाब में फेंका गया था। पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या का कारण मृतक द्वारा की जा रही अवैध वसूली बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक हरिश साहू गोगांव इलाके में अवैध वसूली करता था, जिसके कारण कुछ दिनों पहले पैसों के लेनदेन को लेकर उसका आरोपी महेश्वर प्रताप सिंह के साथ विवाद हुआ था। बताया गया कि घटना वाले दिन भी हरीश साहू आरोपी के दुकान वसूली करने पहुंचा था। जिस बात को लेकर फिर उनके बीच विवाद हो गया और गुस्से में आकर आरोपी ने सीमेंट के पटिया से हरीश साहू के सिर पर वार कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपी ने मृतक के शव को बोरे में डालकर केरला तालाब में फेंक दिया था। पुलिस ने शव की शिनाख्त होने के बाद जब जांच पड़ताल की तो आरोपी और मृतक के बीच हुए झगड़े का पता चला, जिसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल किया।

तड़पती गर्भवती को भेजा कोरोना जांच की कतार में, वहीं प्रसव

कोरबा (आरएनएस)। प्रसव दर्द से तड़पती हुई एक महिला को महतारी एक्सप्रेस से जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल प्रबंधन ने दाखिल करने के बजाय उसे कोरोना जांच के लिए भेज दिया। परिजनों उसे व्हीलचेयर में बैठाकर अस्पताल के बाहर कोरोना जांच केंद्र ले गए। कतार में जांच के इंतजार के दौरान उसका प्रसव हो गया। संवेदनहीनता के इस मामले में अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। महिला के पति ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

कोरोनाकाल में प्रसव के लिए,सरकारी अस्पताल आने वाली महिलाओं को दोहरी मार झेलनी पड़ रही । पहला कोरोना संक्रमित होने व दूसरा कतार में लग कर जांच कराने की। इसी तरह की विकट परिस्थिति का सामना नकटीखार निवासी गर्भवती गनेशी बाई को करना पड़ा। सोमवार की सुबह प्रसव दर्द उठने पर परिजनों ने उसे महतारी एक्सप्रेस से शहर के सौ शय्या अस्पताल लाया। अस्पताल पहुंचने पर प्रसूता वार्ड में उसे कोरोना जांच के लिए कहा गया। गनेशी बाई के पति देवानंद ने बताया कि सुबह का समय होने कारण कोरोना जांच केंद्र नहीं खुला था। इस वजह से वह पत्नी को लेकर निजी अस्पताल गया, वहां भी जांच शुरू नहीं होने के कारण थक हारकर वापस जिला अस्पताल लौट आया। यहां कोरोना जांच के बाद ही दाखिल करने की बात कही गई। तब तक गणेशी दर्द से तड़पती रही। उसी अवस्था में सुबह 9.30 बजे जांच केंद्र खुलने पर उसे व्हीलचेयर में बैठाकर कतार में लगाया। इस दौरान प्रसव पीड़ा और अधिक बढ़ गई। गनेशी व्हीलचेयर से उतरकर जमीन पर लेट गई, जहां उसका प्रसव हो गया। कतार में खड़े लोगों ने हंगामा किया तब जच्चा और बच्चा दोनों को अस्पताल में बेड उपलब्ध कराया गया। देवानंद ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता के कारण उसे पत्नी का प्रसव कराने के लिए भटकना पड़ा।

जब तक गनेशी कोरोना जांच कराती उससे पहले ही उसका प्रसव हो गया। जांच कराने के बाद उसका रिपोर्ट निगेटिव आया है। देवानंद ने बताया कि शादी के चार साल बीतने के बाद उनके घर नया मेहमान बेटे के रूप में आया है। संक्रमण के दौर में उसने प्रसव को लेकर काफी चिंता थी लेकिन ईश्वर ने उसकी सुन ली और जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों क्रमशः सी.बी.वर्मा, श्रीमती एकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षेत्र में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।
मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।
पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।
अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career School, Raigarh, C.G.
Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कांग्रेस सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक की

» वैक्सीनेशन, संक्रमण सहित अन्य मुद्दों पर हुई चर्चा

रायपुर (आरएनएस)। सीएम भूपेश बघेल ने मंगलवार को प्रदेश के कांग्रेस सांसद, विधायकों और जन प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक की। यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें संक्रमण, लॉकडाउन और वैक्सीनेशन सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई और सभी जिलों का रिपोर्ट कार्ड लिया गया। बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने लॉकडाउन बढ़ाए जाने

को लेकर कहा है कि अगर देश में लॉकडाउन लगाया जाएगा तो संभव है छत्तीसगढ़ में भी लॉकडाउन आगे बढ़ाया जाए।

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने बताया कि रायगढ़, जांजगीर जिलों में अधिक संक्रमित मिलने की जानकारी मिली है, वहां व्यवस्था की जा रहा है। एपीएल कार्डधारियों को बड़े शहरों में वैक्सीनेशन में प्राथमिकता देने के सुझाव मिले हैं, जिस पर विचार किया है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से कैसे लड़े इस पर चर्चा हुई है, हर जिले की रिपोर्ट ली गई है। कई अहम बिंदु सरकार के संज्ञान में लाए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में हालात सुधर रहे हैं, ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर की स्थिति सुधरी है। आंध्रप्रदेश को लेकर कहा जाता था कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधा है, लेकिन वहां भी ऑक्सीजन की कमी से लोग मर रहे हैं। जबकि छत्तीसगढ़ देश के 9 राज्यों को ऑक्सीजन दे रही है। शराब की होम डिलिवरी पर भाजपा के सवालों को लेकर श्री मरकाम ने कहा कि शराब से जगह अमृत पहुंचा रहे थे क्या? भाजपा नेताओं का चाल चरित्र चेहरा अलग-अलग है। यूपी, कर्नाटक, हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में शराब बिक रही है, यहां भाजपा को सिर्फ राजनीति करनी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भाजपा नेताओं की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ की राजनीति कर रही है। मुख्यमंत्री ने 12 तारीख को वर्चुअल बैठक के लिए वक्त दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में कोरोना बढ़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह जिम्मेदार हैं। लाखों की रैलियां करते रहे, कुंभ कराते रहे।